M 5124

Reg. No. : .....

Name : .....

III Semester B.A./B.Sc./B.Com./B.B.A./B.B.A.T.T.M./B.B.M./B.C.A./B.S.W./ B.A. Afsal-Ul-Ulama Degree (CCSS – Regular/Supple./Improvement) Examination, November 2013

COMMON COURSE IN HINDI

3A09 HIN : Translation and Communication Skills in Hindi

Time: 3 Hours | Max. Weightage : 25

निर्देश : निम्नलिखित **छः** प्रश्नों में किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(Weightage 1 for each bunch)**

1. **हिन्दी** में लिखिए ।
   - क) $43\ ^{3}/_{4}$
   - ख) Careless
   - ग) Family life
   - घ) Classification
2. शुद्ध कीजिए ।
   - क) यह पाठ मुझको लिख सका ।
   - ख) हम अपने माँ-बाप का सेवा करना चाहिए ।
   - ग) रामू से चार रोटी खाया ।
   - घ) तुम वहाँ कब जाएगा ?
3. सही मिलन कीजिए ।

क) अंधे की लाठी	–	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
ख) नौ-दो ग्यारह होना	–	दुखी को और सताना
ग) ईद का चाँद होना	–	एकमात्र सहारा
घ) घाव पर नमक छिड़कना	–	भाग जाना

P.T.O.

4. प्रस्तुत कहावतों का अर्थ कोष्ठकों से चुनकर लिखिए ।

क) अंधे के आगे रोए, अपने नैना खोए

(संयोग से सफलता प्राप्त करना, आवश्यकता से कम देना, सहानुभूतिहीन व्यक्ति के आगे अपना दु:ख कहना व्यर्थ है, ओछा आदमी बढ़-चढ़कर बोलता है)

ख) कभी नाव गाडी पर, कभी गाड़ी नाव पर

(काम बिगड़ने पर सहायता व्यर्थ होती है, असंगत वस्तुओं को रखना, एक-दूसरे की सहायता लेनी ही पड़ती है, बिल्कुल अनपढ़ होना)

ग) हाथी के दाँत खाने के और, दिखाने के और

(कहना कुछ और करना कुछ, काम भी बन जाए और हानि न हो, प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं, थोड़ा सा शेष रह जाना)

घ) मुख में राम बगल में छुरी

(बुरे काम का फल बुरा ही होता है, मन में दुष्टता और बाहर से प्रेम दिखाना, मन ठीक है तो सब ठीक है, काम आरंभ करते ही मुसीबत आना)

5. निम्नलिखित अवतरणों में यथा स्थान 'ने, को, से, का, के, की, में, पर' भरिए ।

लेखक _____ उन आँखों _____ अपने देश _____ आँखें नहीं माना है, जो पुते गालों के ऊपर और नकली भावों के नीचे प्यार _____ ढोंग करती प्रतीत होती है ।

6. खाली जगह भरिए ।

क) तुम यह काम _____

ख) दूध में _____ पड़ा है ।

ग) यह मीठा _____ हैं ।

घ) पिताजी ने राजू _____ एक घड़ी दी । **(5×1=5)**

निर्देश : किन्हीं **दो** पत्र लिखिए । **(Weightage 4 each)**

7. अपने किसी मित्र को आपकी देखी फिल्म का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए ।

8. पी.आर.एस. कंपनी लिमिटेड में लिपिक पद के लिए एक आवेदन पत्र तैयार कीजिए ।

9. ध्वनि-प्रदूषण की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए संपादक को पत्र लिखिए । **(2×4=8)**

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए । **(Weightage 4)**

10. राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतनेवाले से भेंटवार्ता तैयार कीजिए ।

अथवा

11. पुस्तकालय में पुस्तकालयध्यक्ष से बातचीत तैयार कीजिए ।

अथवा

12. संकेतों के सहारे कहानी लिखिए ।

एक लोभी राजा — स्वर्ण पाने की धुन सवार — एक महात्मा का आना — छुई हुई प्रत्येक वस्तु सोने में बदलने का वरदान — भोजन दुर्लभ — पुत्री का भी सोना बन जाना — स्वर्ण से घृणा — वरदान वापिस लौटाना — सब वस्तुएँ पहले जैसी । **(1×4=4)**

निर्देश : हिन्दी में अनुवाद कीजिए । **(Weightage 4)**

13. Father : Why are you so unhappy, Eklavya ? Why don't you join your friends ? Why are you not interested in hunting ?

Eklavya : Father, I want to be an archer. I want to become a disciple of the great Dronacharya.

Father : What to do ?

Eklavya : Father, I know that we belong to the hunting tribe, but I want to be a warrior, not a mere hunter. So please allow me to leave home and become the disciple of Dronacharya.

अथवा

14. Dronacharya : Who are you ?

Eklavya : Sir, I am Eklavya, son of the Tribal Chief in the Western part of the forests of Hastinapura.

Dronacharya : What do you want ?

Eklavya : Please accept me as your disciple and teach me the wonderful art of archery.

Dronacharya : I am a Brahmin, the highest caste in the kingdom. I cannot teach you. **(1×4=4)**

निर्देश : किसी **एक** का संक्षेपण कीजिए । **(Weightage 4)**

15. अहिंसात्मक अभ्यास का मार्ग ही अलग है । फौज में प्रतिदिन कवायद, कसरत, क्रूरतापूर्ण शिकार इत्यादी कराए जाते हैं । अहिंसात्मक अभ्यास इससे बिलकुल भिन्न है । उसका साधन यदि एक शब्द में कहना चाहें, तो बस संयम है । यहाँ संयम व्यापक अर्थ में उन तमाम नियमों के लिए व्यवहृत किया गया है, जिसका जिक्र हिन्दुओं के तथा अन्य धर्मों के धर्मग्रन्थों में पाया जाता है । ये साधारण सदाचार के नियम सख्ती से पालन करके सीखे जाते हैं । इन सब नियमों का झुकाव अहिंसा और सत्य की ओर ही होता है । गाँधीजी ने बार-बार लिखा है कि ईश्वर पर विश्वास इसमें बहुत बड़ा सहायक होता है । यदि इस अहिंसात्मक प्रकृति को जागृत और पुष्ट करने में लगाया जाए, तो निर्भयता आदि जो इसके मुख्य बाहरी रूप देखने में आते हैं, अवश्य ही प्राप्त किए जा सकते हैं । यह कहना कि यह मनुष्य के लिए संभव नहीं, बेबुनियाद बात है ।

16. : चलो भोजन के बारे में चर्चा करें । हम भोजन क्यों करते हैं ?
: क्योंकि भूख लगती है ।
: नहीं खाएँगे तो शरीर में ताकत नहीं रहेगी ।
: बिलकुल ठीक है, अर्थात् जीवन के लिए भोजन अत्यन्त आवश्यक है । भोजन से शरीर में शक्ति आती है और शरीर का विकास होता है ।
: भोजन कैसा होना चाहिए ?
: अच्छा होना चाहिए ।
: अच्छा का क्या मतलब है ?
: स्वाद में अच्छा है ।
: ताकत देनेवाला हो ।
: चिप्स खाने से हमें ताकत मिलती है और हमारी भूख मिटती है ।
: ताकत नहीं मिलती । ताकत के लिए प्रोटीन की आवश्यकता है ।
: चिप्स में कई हानिकारक तत्व छिपे हुए हैं । चिप्स वनस्पति घी में तला होता है । उसका स्वाद बढ़ाने के लिए अधिक नमक मिलाया जाता है । नमक हानिकारक है, रक्तचाप भी बढ़ाता है और शरीर वजन का कारण बनता है ।
: चिप्स, कोला, पीज़ा के विज्ञापन तो बहुत ही आकर्षक होते हैं । क्या, ये सब झूठ हैं ?
: हाँ, विज्ञापन तो व्यापार बढ़ाने का एक तरीका मात्र है । समझ लेना हमारी बुद्धिमत्ता है ।
: तो कैसा भोजन लेना चाहिए ?
: हमें हमेशा संतुलित भोजन लेना चाहिए । कार्बोहाइड्रेट और वसा का होना अत्यंत आवश्यक है । दूध, तेल, घी, काजू, बादाम एवं मूँगफली का सेवन करने से कार्बोहाइड्रेट और वसा मिलते हैं ।

(1×4=4)